

INHALT

| | |
|--|-----|
| Vorwort | 7 |
| Einführung | 9 |
| 1. Erster Teil | 11 |
| 1.1. Terminologie | 13 |
| 1.2. Die Rolle der Musik | 27 |
| 1.3. Individuum und Kollektiv | 31 |
| 1.3.1. Der Einzelne | 32 |
| 1.3.2. Die neue Rolle des Einzelnen | 39 |
| 1.3.3. Die Masse | 42 |
| 1.4. Konfrontationen | 47 |
| 1.4.1. Wurzeln | 47 |
| 1.4.2. Grenzsituationen | 49 |
| 1.4.3. Konfrontation mit Umwelt und Geschichte | 50 |
| 1.4.4. Gruppensubjektivität | 58 |
| 1.4.5. Kunstwissenschaft | 58 |
| 1.5. Musik: Exempel und Ausnahmefall | 61 |
| 1.6. Die musikalischen Formen | 67 |
| 2. Zweiter Teil | 83 |
| 2.1. Einleitung | 85 |
| 2.1.1. Voraussetzungen | 85 |
| 2.1.2. Die Fragestellung | 89 |
| 2.1.3. Der Ansatz | 93 |
| 2.2. Kunstbetrachtungen im 19. Jahrhundert und deren Einfluß auf Nationalismus und Ideologie in der Musik | 95 |
| 2.2.1. Vorbemerkungen | 95 |
| 2.2.2. Wurzeln im deutschen Idealismus (Der Begriff von Kunst) ... | 97 |
| 2.2.3. Eine „Gegenposition“ | 107 |
| 2.2.4. Erster Exkurs: Das „Nach“ der Kunst. Ideologischer Fort- schrittsglaube oder Substanzverlust? | 113 |

| | | |
|--------|---|-----|
| 2.2.5. | Die Musik als Ausdruck des Willens | 119 |
| 2.2.6. | Zweiter Exkurs | 125 |
| 2.2.7. | Die Erweiterung des Problemhorizonts im 19. Jahrhundert (von Nietzsche bis Marx) | 129 |
| 2.2.8. | Dritter Exkurs | 135 |
| 2.2.9. | Bürgerliche oder proletarische Revolution oder keine von beiden? | 138 |
| 2.3. | Die Wissenschaft von Musik | 143 |
| 2.4. | Schlußbetrachtung | 149 |
| | Literatur | 153 |